DELHI SCHOOL OF JOURNALISM
दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म

University of Delhi
Five Year Integrated Program in Journalism

दिल्ली विश्वविद्यालय
जर्नलिज़्म में पंचवर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम

PROSPECTUS
विवरणिका
2019-20

For Further Details Contact

DELHI SCHOOL OF JOURNALISM
दिल्ली स्कूल ओफ़ जर्नलिज़म

University of Delhi
University Sports Stadium, North Campus
Tel: +91 9811098070 / 9818539614
E-mail: dsoj.du@gmail.com
Web: www.dsj.du.as.in

Cover Design: Prince Pal (Semester III)

Admissions 2019 - 20

Online Registration Begins on 30 May 2019
Website: www.du.ac.in; http://dsj.du.ac.in

Administration

Prof. J.P. Dubey
(Honorary Director)

Dr. Manasvini M. Yogi
(Officer on Special Duty)
Mobile: 9811098070

Faculty

Dr. Rudresh N. Mishra
(Assistant Professor)

Office Staff

Mr. Vijay Tete
(Section Officer)

Mr. Pankaj Saleeb Lakra
(Senior Assistant)
Mob. : 9818539614

Mr. Ashok Kumar
(Office Staff)

Visiting Faculty (2018-19)

Mr. Aquib Shehbazz
Dr. Amit Awasthi
Dr. Atul Gautam
Dr. Ajit Kumar
Dr. Arijit Kundu
B. Anandkrishna
Ms. Bharti Shandilya
Mr. Deep Jwalit Singh
Mr. Deepak K. Vaishnav
Ms. Devina shukla
Ms. Geeta Misra
Dr. Govind Singh
Mr. Harsh Vardhan Dubey
Mr. Inderjit Singh
Dr. J.P. Bhatt
Dr. Looke Khanna
Dr. Mithila Bagai
Mr. Marydesan John
Mr. Nishanta Bhardwaj
Mr. Pramod Kumar
Mr. Pradeep Kumar
Dr. Praveen Jha
Ms. Ruchika Mahajan
Mr. R. Aswin
Dr. Runjhun Verma
Dr. Rishiraj Pathak
Mr. Rajiv Ranjan
Dr. Rajwant Kaur
Dr. Rup Ari
Dr. Rudresh Narayan Mishra
Mr. Sumit Kumar
Mr. Sushil Yati
Ms. Shipra Raj
Dr. Sanjay Singh Baghel
Dr. Swadesh Singh
Dr. Shabbir Alam
Dr. S. Pandikumar
Ms. Seema Bharti
Mr. Suresh Gaur
Mr. Sunil Lonia
Mr. Sarad Kumar Yadav
Ms. Tsewang Dolma
Ms. Vidushi

DELHI SCHOOL OF JOURNALISM (DSJ)

[Faculty of Social Sciences]
University Sports Complex, North Campus (Gate No. 2)
University of Delhi, Delhi -11007
E-mail: dsoj.du@gmail.com

Journalism is an Act of Faith in the Future - Ann Curry

Message from the Vice Chancellor

Prof. Yogesh K. Tyagi (Vice Chancellor)
प्रो. योगेश के. त्यागी (कुलपति)

As the forerunner in the higher education sector in the 21st century. the University of Delhi proved its mettle once again when it launched the Five Year Integrated Programme (FYIP) in Journalism and established the Delhi School of Journalism (DSJ) in the year 2017. Taking cognizance of the beat of the millennial, this was a new administrative and pedagogical initiative to tap the potential offered by the media—one of the largest information and knowledge dissemination system capable of shaping and transforming the dynamics of the socio-cultural, political, and economic aspects of human life. The University fraternity rose to the occasion and accepted the challenge of creating a conducive environment and an effective architecture of training and education to nurture the future journalists and media professionals.

Just two years into the programme, the participants have been ensured a space wherein they can redefine themselves and have also been trained to enable others to find a place in the public sphere. In its journey so far more than 200 students have been experiencing the benefits of the innovative pedagogical tools on offer at DSJ. The FYIP is producing journalists, media researchers and opinion leaders of global standards through a judicious mix of internal and external resources as well as blending of the theory and skill components in the teaching learning process. DSJ has been actively engaged in providing "on the job" learning to students through both in-house and shared facilities. The students and faculty have produced an E-News Letter *"Parvah: The Flux"* and an annual report *"Srijan"*, while the work on lab printing and audio visual learning materials is in progress.

The world-class facilities for academic and professional training on offer here have equipped the students to bag internships at institutions of repute. One of the students has been awarded a paid internship by EFE, the largest Spanish News Agency in Asia. The fact that in 2018-19 over 11000 students competed for 120 seats on offer in the FYIP in journalism attests to the gaining popularity and recognition of the relevance of the course among the youth today.

I am confident that as future participants of the programme at DSJ you will continue to energise the programme and contribute to fostering a healthy, peaceful and engrossing academic atmosphere.

21वीं सदी में उच्च शिक्षा क्षेत्र में अग्रदूत के रूप में, दिल्ली विश्वविद्यालय ने वर्ष 2017 में दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म की स्थापना करते हुए जर्नलिज्म में पंचवर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम की शुरुआत कर एक बार फिर अपनी सूक्ष्मता साबित की।

सहस्त्राब्दियों के विस्पंदन का संज्ञान लेते हुए, यह मीडिया द्वारा पेश की गई एक नई प्रशासनिक और शैक्षणिक पहल थी–मीडिया सबसे बड़ी सूचना और ज्ञान प्रसार प्रणाली में से एक है और मानव जीवन के सामाजिक–सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक पहलुओं की गतिशीलता को आकार देने और बदलने में सक्षम है।

विश्वविद्यालय भ्रातृत्व इस प्रयोजन पर पहुंच गई जहाँ भविष्य के पत्रकार और मीडिया व्यवसायी शिक्षण के लिए एक अनुकूल वातावरण और प्रशिक्षण और शिक्षा का एक प्रभावी संरचना बनाया जा सकता है।

केवल दो साल के पाठ्यक्रम में, प्रतिभागियों को एक स्थान सुनिश्चित किया गया है, जहाँ वह स्वयं को फिर से परिभाषित कर सकते हैं और उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र अपनी जगह बनाने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। अपनी इस यात्रा में डीएसजे में अब तक २०० से अधिक छात्र उन्नत शैक्षणिक उपकरणों के लाभों का अनुभव कर रहे हैं।

शिक्षण–सीने की प्रक्रिया में सिद्धांत और कौशल घटकों के सम्मिश्रण के साथ–साथ आंतरिक और बाह्य संसाधनों के विवेकपूर्ण मिश्रण के माध्यम से पंचवर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम वैश्विक मानकों के आधार पर पत्रकारों, मीडिया शोधकर्ताओं और अभिमत नेता बना रहा है ।

डीएसजे सक्रिय रूप से अंपने यहाँ और साझा सुविधाओं के रूप में दोनों माध्यम से छात्रों को सीने के लिए 'ऑन–द–जॉब' देता है।

छात्रों और शिक्षक ने मिलकर एक ई–न्यूज लेटर "प्रवाह : द फ्लक्स" और एक वार्षिक रिपोर्ट "सृजन" को निकाला है जबकि लैब प्रिंटिंग और ऑडियो विजुअल लर्निंग मटीरियल पर काम चल रहा है।

छात्रों को ख्याति प्राप्त संस्थानों में इंटर्नशिप करने के लिए विश्व स्तरीय शैक्षणिक और व्यावसायिक प्रशिक्षण की सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है।

यहां की पेशकश पर अकादमिक और व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए विश्व स्तर की सुविधाओं में छात्रों को शिक्षण संस्थानों में इंटर्नशिप के लिए सुसज्जित किया गया है। एशिया की सबसे बड़ी स्पेनिश समाचार एजेंसी ईएफई द्वारा छात्रों में से एक को वैतनिक इंटर्नशिप दिया गया है।

तथ्य यह है कि 2018–19 में 11000 से अधिक छात्रों ने जर्नलिज्म के पंचवर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम के 120 सीटों के लिए प्रतिस्पर्धा की, इस पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता आज युवाओं के बीच इसकी लोकप्रियता और पहचान बताती है।

मुझे विश्वास है कि डीएसजे में पाठ्यक्रम के भावी प्रतिभागी के रूप में आप पाठ्यक्रम को ऊर्जावान बनाए रेंगे और एक स्वस्थ, शांतिपूर्ण और समृद्ध शैक्षणिक माहौल को बढ़ावा देने में योगदान देंगे।

मैं दिल्ली विश्वविद्यालय के डीएसजे में जर्नलिज्म के पंचवर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम में आपका स्वागत करता हूं।

Y. K. Tyagi

प्रो. यागेश के. त्यागी

Delhi School of Journalism

Delhi School of Journalism (DSJ) is one of the premiere Journalism Schools in India, established by the University of Delhi in 2017. With the establishment of DSJ, University of Delhi resolves to identify and nurture aspiring journalists; enable them to become a driving force for a quality driven public sphere and information economy; and thereby promoting democracy and development in the truest sense.

About the Program

The School offers a Five Year Integrated Program in Journalism in two languages English and Hindi.

- The program will have an exit option after three years; in that case students will be awarded Degree of Bachelor of Journalism (BJ).
- Students who complete two years post graduate course will be awarded the Degree of Master of Journalism (MJ).
- Courses will be taught separately for English and Hindi Medium students.
- The program includes four foreign languages (French, Spanish, Chinese and Arabic) and four regional languages (Bengali, Sanskrit, Tamil and Urdu). A student requires to opt for one foreign language and one regional language from the given choices, other than his/her mother tongue.

Delhi School of Journalism (DSJ) housed at the University Sports Stadium - North Campus, has a lush green and spacious campus with the state of the art academic infrastructure. The serene and picturesque site enhances the academic pursuits of journalism students at DSJ. It is five minutes' walk from the Vishwavidyalaya Metro Station.

दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म

दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म (डीएसजे), दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत के प्रमुख पत्रकारिता स्कूलों में एक है, जिसकी स्थापना 2017 में की गई। डीएसजे की स्थापना से, दिल्ली विश्वविद्यालय ने पत्रकार बनने की आकांक्षा रखने वाले छात्रों की पहचान करना, उनका पोषण, उनके गुणवत्ता युक्त सार्वजनिक जीवन एवं सूचना अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में उनको योग्य बनाने की प्रतिबद्धता है जिससे वह सच्चे अर्थों में लोकतंत्र का संवर्धन और देश को विकसित करने के योग्य बन सकें।

कार्यक्रम के विषय में

स्कूल अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में पत्रकारिता में पंचवर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम संचालित करता है।

- तीन वर्ष बाद पाठ्यक्रम निकास का विकल्प प्रदान करता है, जिसके अंतर्गत छात्र को बैचलर ऑफ जर्नलिज्म (बी.जे) की उपाधि प्रदान की जाएगी।
- दो वर्ष के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को पूर्ण करने वाले छात्र को मास्टर ऑफ जर्नलिज्म (एम. जे) की उपाधि प्रदान की जाएगी ।
- यह पाठ्यक्रम अंग्रेजी और हिंदी दोनों माध्यम में अलग–अलग पढ़ाया जायेगा।
- इस पाठ्यक्रम में चार विदेशी भाषाएं (फ्रेंच, स्पेनिश, चीनी और अरबी) और चार क्षेत्रीय भाषाएं (बंगाली, संस्कृत, तमिल और उर्दू) सम्मिलित है। छात्र को अपनी मातृभाषा के अलावा दिए गए विकल्पों में से एक विदेशी भाषा और एक क्षेत्रीय भाषा का चुनाव करना होगा।

दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म (डीएसजे), यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स स्टेडियम – नॉर्थ कैंपस के अत्याधुनिक एवं आधारभूत अकादमिक संरचना वाले सघन, हरे–भरे और विशाल परिसर में स्थित है। यहाँ का शांत और चित्रमय कार्यस्थल डीएसजे के छात्रों के अकादमिक कार्यों को नई उर्जा प्रदान करता है। यह विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन से पांच मिनट की पैदल दूरी पर स्थित है।

Choice Based Credit System (CBCS)

The University Grants Commission (UGC) has initiated several measures to bring equity, efficiency and excellence in the Higher Education System of the country. The important measures taken to enhance academic standards and quality in higher education include innovation and improvements in curriculum, teaching-learning process, examination and evaluation systems, besides governance and other matters.

The UGC has formulated various regulations and guidelines from time to time to improve the higher education system and maintain minimum standards and quality across the Higher Educational Institutions (HEIs) in India. The academic reforms recommended by the UGC in the recent past have led to overall improvement in the higher education system. However, due to lot of diversity in the system of higher education, there are multiple approaches followed by universities towards examination, evaluation and grading system. While the HEIs must have the flexibility and freedom in designing the examination and evaluation methods that best fits the curriculum, syllabi and teaching–learning methods, there is a need to devise a sensible system for awarding the grades based on the performance of students. Presently the performance of the students is reported using the conventional system of marks secured in the examinations or grades or both. The conversion from marks to letter grades and the letter grades used vary widely across the HEIs in the country. This creates difficulty for the academia and the employers to understand and infer the performance of the students graduating from different universities and colleges based on grades.

The grading system is considered to be better than the conventional marks system and hence

विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देश की उच्च शिक्षा प्रणाली में निष्पक्षता, दक्षता और उत्कृष्टता लाने के लिए कई योजनाओं को प्रारम्भ किया है। उच्च शिक्षा में शैक्षणिक मानक और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए प्रशासनिक और अन्य मामलों के अलावा पाठ्यक्रम में शिक्षण–अधिगम, परीक्षण और मूल्यांकन प्रणाली में नवीनता और सुधार से संबद्ध महत्वपूर्ण कदम सम्मिलित हैं।

भारत में उच्च शिक्षा में सुधार और उच्च शैक्षणिक संस्थानों (HEIs) में न्यूनतम मानक और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने समय–समय पर विभिन्न नियम और दिशा–निर्देश तैयार किए हैं। हाल ही में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा किये गए शैक्षणिक सुधारों से उच्च शिक्षा में काफी सुधार हुआ है। हालांकि, उच्च शिक्षा की व्यवस्था में बहुत सी विविधताओं के कारण, विश्वविद्यालयों द्वारा परीक्षा, मूल्यांकन और ग्रेडिंग प्रणाली के लिए विभिन्न तरीके अपनाये जाते हैं। जबकि महाविद्यालयों में पाठ्यक्रम और मूल्यांकन के तरीकों को डिजाइन करने में लचीलापन और स्वतंत्रता होनी चाहिए, जो कि उनके अपने पाठ्यक्रम, व्याख्यान और शिक्षण–अधिगम विधियों के अनुरूप हों, छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर ग्रेड देने के लिए एक विवेकपूर्ण प्रणाली तैयार करने की आवश्यकता है। वर्तमान में छात्रों का प्रदर्शन पारंपरिक प्रणाली अर्थात परीक्षाओं में अर्जित अंक या ग्रेड या दोनों का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है। अंकों का ग्रेड में और ग्रेड का अंको मे परिवर्तन का पूरे देश के HEIs में बहुत ही अलग अलग तरीकों से लागू होता है। यह प्रक्रिया शिक्षकों और नियोक्ताओं को विभिन्न विश्वविद्यालओं और कॉलेजों से निकले छात्रों के प्रदर्शन को समझने और अनुमानित करने में कठिनाई पैदा करता है।

ग्रेडिंग सिस्टम को पारंपरिक अंक प्रणाली से बेहतर माना जाता है और इसलिए इसे भारत और विदेशों के शीर्ष संस्थानों में अपनाया गया है। इसी वजह से समरूप ग्रेडिंग प्रणाली आरम्भ करना वांछनीय है। यह छात्रों के लिए देश और विदेश के विभिन्न संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया को सरल बनाएगा और संभावित नियोक्ताओं को छात्रों के प्रदर्शन का आकलन करने में सक्षम करेगा। ग्रेडिंग सिस्टम में वांछित समरूपता लाने के लिए और छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर क्युमुलेटिव–ग्रेड–पॉइंट एवरेज (CGPA) की गणना करने के लिए यूजीसी ने इन दिशा–निर्देशों का निर्माण किया है।

Outline of Choice Based Credit System

The CBCS provides an opportunity for the students to choose courses from the prescribed courses comprising core, elective/minor or skill based courses. The courses can be evaluated following the grading system, which is considered to be better than the conventional marks system. Therefore, it is necessary to introduce uniform grading system in the entire higher education in India. This will benefit the students to move across institutions within India to begin with and across countries. The uniform grading system will also enable potential employers in assessing the performance of the candidates. In order to bring uniformity in evaluation system and computation of the Cumulative Grade Point Average (CGPA) based on student's performance in examinations, the UGC has formulated the guidelines to be followed.

1. **Core Course:** A course, which should compulsorily be studied by a candidate as a core requirement is termed as a Core course.
2. **Elective Course:** Generally a course which can be chosen from a pool of courses and which may be very specific or specialized or advanced or supportive to the discipline/ subject of study or which provides an extended scope or which enables an exposure to some other discipline/ subject/ domain or nurtures the candidate's proficiency/skill is called an Elective Course.

   2.1. Discipline Specific Elective (DSE) Course: Elective courses may be offered by the main discipline/subject of study is referred to as Discipline Specific Elective. The University/Institute may also offer discipline related Elective courses of interdisciplinary nature (to be offered by main discipline/subject of study).

   2.2. Dissertation/Project: An elective course designed to acquire special/advanced knowledge, such as supplement study/ support study to a project work, and a candidate studies such a course on his own with an advisory support by a teacher/faculty member is called dissertation/project.

   Project work/Dissertation is considered as a special course involving application of knowledge in solving/ analyzing /exploring a real life situation / difficult problem. A Project/Dissertation work would be of 6 credits. A Project/Dissertation work may be given in lieu of a discipline specific elective paper.

   NB: Considering the unique nature of the Five Year Integrated Program and the career and academic prospects of the students, Dissertation is made compulsory and treated as a Core Course in the Tenth Semester, with 12 credits.

   2.3. Generic Elective (GE) Course: An elective course chosen generally from an unrelated discipline/subject, with an intention to seek exposure is called a Generic Elective.

   NB : A core course offered in a discipline/subject may be treated as an elective by other discipline/subject and vice versa and such electives may also be referred to as Generic Elective.

3. **Ability Enhancement Courses (AEC)/ Competency Improvement Courses/ Skill Development Courses/Foundation Course:**

   The Ability Enhancement (AE) Courses may be of two kinds: AE Compulsory Course (AECC) and AE Elective Course (AEEC). "AECC" courses are the courses based upon the content that leads to Knowledge enhancement. They (i) Environmental Science, (ii) English/MIL Communication) are mandatory for all disciplines. AEEC courses are value-based and/or skill-based and are aimed at providing hands-on-training, competencies, skills, etc.

   3.1. AE Compulsory Course (AECC) : Environmental Science, English Communication/ MIL **Communication.**

   3.2. AE Elective Course (AEEC) : These courses may be chosen from a pool of courses designed to provide value-based and/or skill-based instruction.

विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली की रूपरेखा

विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली छात्रों को कोर, एच्छिक/गौण और कौशल आधारित प्रस्तावित पाठ्यक्रमों मे से चयन का अवसर प्रदान करती है। पारंपरिक परीक्षण प्रणाली के स्थान पर इस पाठ्यक्रम में परीक्षण ग्रेडिंग प्रणाली के अनुसार किया जा सकता है। एतयव भारत मे समस्त उच्च शिक्षा मे समान ग्रेडिंग प्रणाली को लागू करना अनिवार्य है। इससे विद्यार्थियों को आरंभ मे देश के भीतर और बाद मे विदेश मे भी अन्य संस्थानों में जाने का लाभ मिलेगा। यह समान ग्रेडिंग प्रणाली सक्षम नियोक्ताओं को अभ्यर्थियों के प्रदर्शन के मूल्यांकन की योग्यता भी प्रदान करेगी। मूल्यांकन प्रणाली मे एकरूपता लाने और विद्यार्थियों के प्रदर्शन के परीक्षण पर आधारित समग्र औसत अंक बिन्दु (CGPA) की गणना के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अनुपालन के लिए दिशानिर्देश तैयार किए है।

1. **कोर पाठ्यक्रम:** अभ्यर्थी के द्वारा आधारभूत आवश्यकता के रूप मे चुने गए को कोर पाठ्क्रम कहा गया है।

2. **एच्छिक पाठ्यक्रम:** साधारणत: वह पाठ्यक्रम ऐच्छिक पाठ्यक्रम कहलाएगा जो अनेक पाठ्यक्रमों के समूह से चुना जा सके और जो बहुत विशिष्ट अथवा विशेषीकृत अथवा उन्नत अथवा अध्ययन के अनुशासन/विषय मे सहायक हो या विद्यार्थी को एक विस्तृत क्षेत्र प्रदान करे अथवा किसी अन्य अनुशासन/विषय/क्षेत्र का परिचय कराये या अभ्यर्थी की क्षमता/योग्यता की पोषण करे।

2.1. विषय विशिष्ट इलैक्टिव (DSE) पाठ्यक्रम: वैकल्पिक पाठ्यक्रम को मुख्य विषय माना जाता है तब इसे विषय विशिष्ट इलैक्टिव (DSE) पाठ्यक्रम कहा जाता है। विश्वविद्यालय/संस्थान ऐसे विषय सम्बंधित इलैक्टिव पाठ्यक्रम भी प्रदान कर सकती है जो अन्त: विषय प्रकृति के हो।

2.2. लघु शोध प्रबंध/परियोजना/विशेष: उच्च ज्ञान प्राप्त करने के लिए डिजाइन किया गया एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम, जैसे प्रोजेक्ट काम के लिए पूरक अध्ययन/सहायता अध्ययन, और किसी अभ्यर्थी द्वारा शिक्षक/संकाय सदस्य के सलाह और समर्थन के साथ इस तरह के पाठ्यक्रम का अध्ययन किया जाना शोध/प्रोजेक्ट कहलाता है।

वास्तविक जीवन की स्थिति/मुश्किल को सुलझाने/विश्लेषण/खोज में ज्ञान के आवेदन को शामिल करने के लिए प्रोजेक्ट का कार्य/शोध एक विशेष पाठ्यक्रम के रूप में माना जाता है एक शोध/प्रोजेक्ट 6 क्रेडिट का होगा। एक अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक पेपर के बजाय एक शोध/प्रोजेक्ट कार्य दिया जा सकता है।

छठ: पांच साल के एकीकृत कार्यक्रम और छात्रों की कैरियर और शैक्षिक संभावनाओं की अनूठी प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, शोध को 12 क्रेडिट्स के साथ दसवीं सेमेस्टर में कोर पाठ्यक्रम के रूप में अनिवार्य कर दिया गया है।

2.3. जेनेरिक इलैक्टिव (GE) पाठ्यक्रम: आम तौर पर एक एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम किसी असंबंधित विषय से चुना हुआ, जिसे एक्सपोजर प्राप्त करने के इरादे से लिया गया हो जेनेरिक इलैक्टिव कहलाता है।

छठ: किसी पाठ्यक्रम का एक कोर पाठ्यक्रम जो किसी अन्य पाठ्यक्रम में इलेक्टिव माना जाएगा, इस तरह के इलेक्टिव को जेनेरिक इलैक्टिव कहा जाता है।

3. **एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्सेज (AEC) :** कम्पेटेन्सी इम्प्रूवमेंट कोर्सेज/स्किल डेवलपमेंट कोर्सेज/फाउंडेशन पाठ्यक्रम/एबिलिटी एन्हांसमेंट (AE) पाठ्यक्रम दो प्रकार के हो सकते हैं: एई अनिवार्य पाठ्यक्रम (AECC) और एई इलैक्टिव पाठ्यक्रम (AEEC)। "AECC" कोर्सेज वह कोर्सेज है जो ज्ञान वृद्धि पर आधारित पाठ्यक्रम हैं। (i) पर्यावरण विज्ञान, (ii) अंग्रेजी/MIL कम्युनिकेशन) सभी विषयों के लिए अनिवार्य हैं। AEEC पाठ्यक्रम मूल्य-आधारित और/या कौशल-आधारित होते हैं और इसका उद्देश्य हस्त प्रशिक्षण, दक्षता, कौशल आदि प्रदान करना है।

3.1. AE अनिवार्य पाठ्यक्रम (AECC) : पर्यावरण विज्ञान, अंग्रेजी संचार/MIL संचार

3.2. AE इलैक्टिव पाठ्यक्रम (AEEC) रू इन पाठ्यक्रमों को मूल्य-आधारित और/या कौशल आधारित निर्देश प्रदान करने के लिए डिजाइन किए गए पाठ्यक्रमों के संकलन से चुना जा सकता है।

Examination Scheme

There are 28 Core Papers of 100 marks each in which 75 marks are for theory and 25 marks are for internal assessment. The program also has two AECC Papers of 100 marks each in which 75 marks are for theory and 25 marks are for internal assessment. There are two AEEC Papers of 100 marks each in which 75 marks are for theory and 25 marks are for internal assessment. If AEEC paper is purely practical, then the theory marks may differ. There are four GE Papers of 100 marks each in which 75 marks are for theory and 25 marks are for internal assessment. There are four DSE papers of 100 marks each in which 75 marks are for theory and 25 marks are for internal assessment. The Compulsory Language Papers in all ten semesters also follow the same pattern, i.e. 75 marks for theory and 25 marks for internal assessment.

परीक्षा योजना

इसमें 100 अंकों की 28 कोर परीक्षाएँ होंगी जिनमें 75 अंक थ्योरी के और 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन के होंगे। कार्यक्रम में 100 अंकों की दो AECC परीक्षाएं होंगी जिनमें 75 अंक थ्योरी के और 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन के हैं। 100 अंकों की दो परीक्षाएँ AEEC की भी होंगी जिनमें 75 अंक थ्योरी के और 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन के हैं। यदि AEEC परीक्षाएँ केवल प्रैक्टिकल होंगी, तो थ्योरी के अंक भिन्न होंगे। इसमें 100 अंकों के चार GE परीक्षाएँ होंगी जिनमें से 75 अंक थ्योरी के और 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन के हैं। इसमें 100 अंकों की चार DSE परीक्षाएँ होंगी जिनमें से 75 अंक थ्योरी के और 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन के हैं। सभी दस सेमेस्टरों में अनिवार्य भाषा की परीक्षा भी सामान पैटर्न में होगी, अर्थात 75 अंक थ्योरी के और 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन के होंगे।

Internal Assessment 2019-20

Each paper carries an Internal Assessment component of 25 marks each.

- Attendance - 5 marks
- Assignment - 20 marks

There shall be 5% weightage for regularity in attending lectures and tutorials, and the credit for regularity in each paper, based on attendance, shall be as follows:

- More than 67% but less than 70% - 1 mark
- 70% or more but less than 75% - 2 marks
- 75% or more but less than 80% - 3 marks
- 80% or more but less than 85% - 4 marks
- 85% and above - 5 marks

[Medical certificates shall be excluded while calculating credit towards marks to be awarded for regularity, though such certificates shall continue to be taken into account for the purpose of calculating eligibility to appear for examinations as per the existing provisions of Ordinance VII.2.9. (a)(ii).]

आंतरिक मूल्यांकन 2019-20

प्रत्येक पेपर में 25 अंकों का आंतरिक आकलन का भाग/घटक होता है।

- उपस्थिति – 5 अंक
- नियत कार्य/असाइनमेंट – 20 अंक

व्याख्यान और टयूटोरियल में नियमित रूप से उपस्थित रहने पर 5% महत्व दिया जायेगा और उपस्थिति के आधार पर प्रत्येक पेपर में नियमितता का श्रेय निम्नानुसार होगा:

- 67% से अधिक लेकिन 70% से कम–1 अंक
- 70% या अधिक लेकिन 75% से कम–2 अंक

- 75% या अधिक लेकिन 80% से कम–3 अंक
- 80% या अधिक लेकिन 85% से कम–4 अंक
- 85% और ऊपर–5 अंक

नियमित उपस्थिति के लिए अंकों की गणना करते समय मेडिकल प्रमाण–पत्र को बाहर रखा जाएगा, हालांकि अध्यादेश VII.2.9.(a)(ii). के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार परीक्षाओं में उपस्थित होने के लिए पात्रता की गणना के उद्देश्य से इस तरह के प्रमाणपत्रों को ध्यान में रखा जाना जारी रहेगा।

Admission Requirement and Eligibility

प्रवेश–योग्यता और प्रक्रिया

1. Students who secure 50% in Class XII (irrespective of the streams) will be eligible to apply for the entrance test.
2. The entrance test will examine the candidate's proficiency in General Knowledge and Current Affairs, and Analytical and Comprehension Skills. The entrance test will be designed with the comparable standard of competitive exams at the national level for Class XII students.
3. The admission will be done on the basis of an all India Entrance Test to be conducted by the University of Delhi.
4. Entrance Test Paper will be in English & Hindi Medium.
5. Reservation and other exemptions are applicable as per the Delhi University rules.

1. बारहवीं कक्षा (किसी भी स्ट्रीम का) में 50% अंकों से उतीर्ण छात्र प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते है।
2. प्रवेश परीक्षा उम्मीदवार के सामान्य–ज्ञान, समसामयिक–ज्ञान तथा विश्लेषणात्मक और परिज्ञानात्मक–कौशल में प्रवीणता का परीक्षण करेगी। प्रवेश परीक्षा को 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं के तुलनात्मक मानक के साथ डिजाइन किया जाएगा।
3. प्रवेश परीक्षा परिणाम के आधार पर ही प्रवेश दिया जायेगा, जो दिल्ली विश्वविद्यालय अखिल भारतीय स्तर पर सम्पन्न करवायेगा।
4. प्रवेश परीक्षा अंग्रेजी और हिन्दी में होगी।
5. आरक्षण और अन्य छूट दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमानुसार लागू होगी।

*** A list of 120 students including all categories will be prepared for admission.**

DSJ Production Studio

Five Year Integrated Program (CBCS) Detailed Scheme

Semester	Credits	Core Course	Ability Enhancement Compulsory Course [AECC]	Ability Enhancement Elective Course (Skill Based) [AEEC]	Discipline Specific Elective [DSE]	Generic Elective Course [GEC]	Compulsory Language [CL]
I	28	CC 01 Introduction to Media and Communication CC02 Basics of Reporting and Editing	AECC 01 English/ Hindi			GEC 01 Information Literacy and Techniques OR History of Media	CL 01 French Spanish Chinese/ Arabic/ Tamil/ Bengali/ Sanskrit/ Urdu
II	28	CC 03 Media and Society CC 04 ICT and New Media	AECC 02 EVS			GEC 02 Media, Polity and Legal Systems in India OR History and Media OR Writing for Media	CL 02 French/ Spanish/ Chinese/ Arabic/ Tamil/ Bengali/ Sanskrit/ Urdu
III	34	CC 05 Introduction to Broadcast Media CC 06 Print Journalism and Production CC 07 Media Laws and Ethics		AEEC 01 Design and Layout Software		GE 03 Media and Economics OR Disaster Management and Communication OR Media and Consumer Education	CL 03 French/ Spanish Chinese/ Arabic/ Tamil/ Bengali/ Sanskrit/ Urdu
IV	34	CC 08 Photography CC 09 Integrated Marketing Communication CC 10 Media and Cultural Studies				GE 04 Media and Human Rights OR International Relations	CC 04 French / Spanish / Chinese/ Arabic/ Tamil/ Bengali/ Sanskrit/ Urdu

Semester	Credits	Core Course	Ability Enhancement Compulsory Course [AECC]	Ability Enhancement Elective Course (Skill Based) [AEEC]	*Discipline Specific Elective [DSE]	Generic Elective Course [GEC]	Compulsory Language [CL]
V	30	CC 11 Radio Journalism and Production CC 12 Basic Mathematics for Journalists			DSE 01 & 02 Media Industry and Governance OR Media Trends and Current Affairs OR Representation of Gender in Media		CL 05 French/ Spanish/ Chinese/ Arabic/ Tamil/ Bengali/ Sanskrit/ Urdu

Semester	Credits	Core Course	Ability Enhancement Compulsory Course [AECC]	Ability Enhancement Elective Course (Skill Based) [AEEC]	Discipline Specific Elective [DSE]	Generic Elective Course [GEC]	Compulsory Language [CL]
VI	30	CC 13 Development Communication CC 14 Research Methodology			DSE 03 & 04 Web Journalism OR Media and Psychology OR Media Entertainment and Fashion Trends		CL 06 French/ Spanish/ Chinese/ Arabic/ Tamil/ Bengali/ Sanskrit/ Bengali

*In Semester V and VI, students need to select two DSE papers from the given options.

Semester	Credits	Core Course	Ability Enhancement Compulsory Course [AECC]	Ability Enhancement Elective Course (Skill Based) [AEEC]	Discipline Specific Elective [DSE]	Generic Elective Course [GEC]	Compulsory Language [CL]
VII	28	CC 15 Global Media and Politics CC 16 Television Journalism and Production CC 17 Science Journalism CC 18 Cinema Studies-I					CL 07 French / Spanish / Chinese / Arabic / Tamil / Bengali/ Sanskrit/ Urdu
VIII	30	CC 19 Business Journalism CC 20 Data Journalism CC 21 Documentary Production CC 22 Social Media and Communication					CL 08 French / Spanish / Chinese / Arabic / Tamil / Bengali/ Sanskrit/ Urdu
IX	30	CC 23 Research Methodology II CC 24 Investigative Journalism CC 25 Communication and Public Policy CC 26 Cinema Studies-II					CL 09 French / Spanish / Chinese / Arabic / Tamil / Bengali/ Sanskrit/ Urdu
X	24	CC 27 Media and National Security CC 28 Dissertation					CL 10 French / Spanish/ Chinese/ Arabic/ Tamil/ Bengali/ Sanskrit/ Urdu

Total Credits - 298 | * Dissertation will have 12 Credits

Pedagogy

Bachelor of Journalism proposes to use a wide range of teaching methods, keeping in mind the diverse needs of the future media professionals. Our pedagogy will ensure that our students get a holistic training to enhance their knowledge and skills. The Five Year Integrated Program will help our students to be free of any meaningless rhetoric and lead them to imagine and create a world for themselves. The students will have an exposure to the media industry regularly during the weekly workshops which will be part of the regular academic activities. Guest faculty will consists of eminent academicians from the university and outside as well as media practitioners from the industry.

The program has 28 Core Courses, two Ability Enhancement Compulsory Courses, two Ability Enhancement Elective Courses (skill based), four General Elective Courses and four Discipline Specific Elective Courses and Dissertation as per the UGC guidelines. The program is designed with equal weightage on Classroom Lectures (50% Credits) and Assignments/Projects and Internship (50% Credits). Students need to produce Newsletters, Magazines, Documentaries, Short Films, Broadcast News Bulletins, and other Multimedia Contents of broadcast standards, which are interesting, engrossing and can initiate change in the society. The learning process will be adequately supported by a an ICT Lab and Digital Media Lab.

The program is conceived as an interdisciplinary learning, incorporating the fundamentals of social sciences, sciences, gender and cultural studies, ethics, and global issues. Apart from the regular academic exercises, students will be required to take up a four week internship with leading media houses during the vacation and research driven projects related to the media and communication.

अध्यापिकी

बैचलर ऑफ जर्नलिज्म, मीडिया वृतिक या पेशेवरों की भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तरह तरह की शिक्षण विधियों के उपयोग का प्रस्ताव करता है। हमारी अध्यापिकी यह सुनिश्चित करेगी कि छात्रों को अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए समग्र प्रशिक्षण मिले। पांच वर्ष का एकीकृत कार्यक्रम हमारे छात्रों को किसी भी अर्थहीन वाक्पटुता, अलंकार विद्या और साहित्य शास्त्र से विमुक्त या मुक्त होने में मदद करेगा और उन्हें स्वयं के लिए दुनिया की कल्पना करना और उसे नेतृत्व देने के उपयुक्त करेगा। साप्ताहिक कार्यशाला, जो नियमित शैक्षणिक गतिविधियों का हिस्सा है छात्रों को नियमित रूप से मीडिया उद्योग का संपर्क और दिशा निर्देश प्रदान करेगा। विश्वविद्यालय के शिक्षक और मीडिया के प्रसिद्ध शिक्षाविद् अतिथि संकाय में शामिल होंगे।

इस पाठ्यक्रम में 28 कोर पाठ्यक्रम, दो योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम, दो योग्यता संवर्धन वैकल्पिक पाठ्यक्रम (कौशल आधारित), चार सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम, चार विषय विशिष्ट पाठ्यक्रम और यूजीसी के दिशा निर्देशों के अनुसार लघु शोध प्रबंध सम्मिलित हैं।

पाठ्यक्रम के निर्माण में कक्षा व्याख्यान (50: क्रेडिट) और असाइनमेंटध्प्रोजेक्ट्स और इंटर्नशिप (50: क्रेडिट) दोनों को समान महत्त्व दिया गया है। छात्रों को प्रसारण मानकों के अनुसार न्यूजलेटर्स और वृत्तचित्र, समाचार–बुलेटिन–प्रसारण और मल्टीमीडिया सामग्री का निर्माण करना होगा। प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को मीडिया लैब एवं आई.सी. टी. लैब–स्टूडियो में सीखने का अवसर उपलब्ध होगा।

पाठ्यक्रम की संकल्पना अंतरानुशासनिक है जिसमें समाज विज्ञान, विज्ञान, जेंडर स्टडीज, नैतिकता और वैश्विक मुद्दों के बुनियादी सिद्धांत शामिल है। नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के आलावा छात्रों को मीडिया हाउस के साथ इंटर्नशिप तथा मीडिया और संचार से संबंधित अनुसंधान आधारित प्रोजेक्ट पर काम करना होगा।

University Rules, Regulations and Enforcement

Attendance Requirement and Rules for all enrolled Students

1. It is essential for students to have a minimum of 66.6% (2/3 of total attendance) attendance separately in Lectures and Practicals.
2. Regularity in the class/ class presentations/tutorials/ practicals is part of the evaluation for Internal Assessment.
3. Attendance of students is compulsory in all activities of the Department including Seminars/ Conferences/ Talks etc. that are organized during the year.
4. Students are strictly advised against joining any other programme of study/ internship/employment/ activity during the academic session when classes are engaged.
5. Submission of projects and assignments etc. in time is compulsory.
6. Students are required to check the website http://dsj.du.ac.in regularly for information and updates.

DSJ follows the attendance policy of at least two-third attendance in classes, as per the Rules of the University of Delhi.

नियम-विनियम एवं क्रियान्वयन

सभी नामांकित छात्रों के लिए उपस्थिति की आवश्यकता और नियम

1. व्याख्यान और प्रैक्टिकल दोनों में छात्रों की उपस्थिति कम से कम 66% होनी चाहिए ।
2. कक्षा/ कक्षा प्रस्तुतियां/ टयूटोरियल/ प्रैक्टिकल में नियमितता आंतरिक आंकलन के मूल्यांकन का एक हिस्सा है।
3. विभाग की सभी गतिविधियों में जैसे संगोष्ठी/ सम्मेलन/ वार्ता आदि में छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य है, जो पाठ्यक्रम वर्ष के दौरान आयोजित की जाएगी।
4. छात्रों को शैक्षणिक सत्र के दौरान अध्ययन/ इंटर्नशिप/ रोजगार/ गतिविधि के किसी भी अन्य कार्यक्रम में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
5. परियोजना, नियत-कार्य आदि को समय सीमा के अन्दर प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
6. छात्र संबंधित जानकारी और सूचना की जांच के लिए नियमित रूप से वेबसाइट http://dsj.du.ac.in को देखना आवश्यक है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार, डीएसजे कक्षाओं में कम-से-कम दो-तिहाई उपस्थिति की नीति का पालन करता है।

Workshop Held 2018-19

S.No.	Name	Designation
1.	Prof. F.B. Khan	Photography
2.	EFE	Spanish News Agency
3.	Dr. Vijay Verma	International Relations
4.	Cervantes	Spanish Agency
5.	Shri Vijay Kranti	Photo Journalism
6.	Ms. Gargi Sen	Film Making
7.	Mr. Saurabh Dwivedi	Online Journalism
8.	Prof. Ashok Acharya	Inclusive Politics
9.	Prof. Maitryee Choudhri	Socio Cultural Context and Media
10.	Mr. Fuzzel Ayyubi	Legal System and Polity
11.	Ms. Paroma Bhattacharya	Film
12.	Mr. Aditya Seth	Documentary Film Making
13.	Qisa Team	Mobile Journalism
14.	Mr. Srikant Tewatia	Sports Journalism
15.	Prof. Ambrish Saxena	Journalism and Fake News
16.	Shri. K.G. Suresh	Journalism As a Carrier
17.	Dr. Novy Kapadia	Sports Journalism
18.	Ms. Gayesha Gonzales	Media Literacy Digital Disinformation, Recom Mediations for Civil Society, Governments and Private Sector
19.	Mr. Sanjeev Midha	Broadcast Production
20.	Mr. Mukesh Bhardwaj	Reporting and Sting Journalism
21.	Mr. Prabal Pratap Singh	International Journalism
22.	Mr. Rishabh Krishna Saxena	Print Journalism
23.	Mr. J. Gopi Krishna	Investigative Reporting
24.	Mr. Mohan Menon	Media and Economics
25.	Mr. Marydasan John	Tabloid Production
26.	Mr. Parnab Mukherjee	Theatre and Communication
27.	Mr. Umesh Chaturvedi	Editorial Writing
28.	Mr. A.J. Philip	Editorial
29.	Mr. Pradeep Kumar	Ratio Journalism
30.	Ms. Nilanjana Bose	News and Views

DSJ Discipline- Ordinance XV-B

1. All powers relating to discipline and disciplinary action are vested in the Vice-Chancellor.
2. The Vice-Chancellor may delegate all or such power as he/she deems proper to the Proctor and to such other persons as he/she may specify in this behalf.
3. Without prejudice to the generality of power to enforce discipline under the Ordinance the following shall amount to acts of gross indiscipline:
   a. Physical assault, or threat to use physical force, against any member of the teaching and non-teaching staff of any Institution / Department and against any student within the University of Delhi.
   b. Carrying of, use of or threat to use of any weapons.
   c. Any violation of the provisions of the Civil Rights Protection Act, 1976.
   d. Violation of the status, dignity and honour of students belonging to the scheduled castes and tribes.
   e. Any practice-whether verbal or otherwise- derogatory of women.
   f. Any attempt at bribing or corruption in any manner.
   g. Willful destruction of institutional property.
   h. Creating ill-will or intolerance on religious or communal grounds.
   i. Causing disruption in any manner of the academic functioning of the University system.
   j. Prohibition of Ragging as per Ordinance XV-C.
4. Without prejudice to the generality of his/her powers relating to the maintenance of discipline and taking such action in the interest of maintaining discipline as may seem to him/her appropriate, the Vice-Chancellor, may in the exercise of his/her powers aforesaid order or direct that any student or students–
   a. be expelled
   b. be, for a stated period rusticated; or
   c. be not for a stated period, admitted to a course or courses of study in a College, Department or Institution of the University; or
   d. be fined with a sum of rupees that may be specified; or
   e. be debarred from taking a University or College or Departmental Examination or Examinations for one or more years; or
   f. that the result of the student or students concerned in the Examination or Examinations in which she or they have appeared be cancelled.
5. The Principals of the Colleges, Heads of the Halls, Dean of Faculties, Heads of Teaching Departments in the University, the Principal, School of Open Learning and Librarians shall have the authority to exercise all such disciplinary powers over students in their respective Colleges, Institutions, Faculties and Teaching Departments in the University as may be necessary for the proper conduct of the Institutions, Halls and teaching in the concerned Departments, They may exercise their authority through, or delegate authority to such of the teachers in their Colleges, Institutions or Departments as they may specify for these purposes.
6. Without prejudice to the powers of the Vice-chancellor and the Proctor as aforesaid, detailed rules of discipline and proper conduct shall be framed.

These rules may be supplemented, where necessary, by the Principals of Colleges, Heads of Halls, Deans of Faculties and Heads of Teaching Departments in this University. Each student shall be expected to provide himself/herself with a copy of these rules.

At the time of admission, every student shall be required to sign a declaration that on admission she submits herself to the disciplinary jurisdiction of the Vice-Chancellor and several authorities of the University who may be vested with the authority to exercise discipline under the Acts, the Statutes, the Ordinances and the rules that have been framed therein by the University.

महाविद्यालय में अनुशासन-अध्यादेश-XV-B

1. अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित सभी शक्तियाँ कुलपति के पास हैं।
2. कुलपति, ऐसी शक्तियाँ या ऐसी शक्तियाँ जिन्हें वे उचित समझते/समझती हैं, प्रॉक्टर और ऐसी अन्य व्यक्तियों को, जिन्हें वे अपनी ओर से विनिर्दिष्ट करते हैं, को प्रत्यायोजित कर सकते/सकती हैं।
3. इस अध्यादेश के अन्तर्गत अनुशासन लागू करने की शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, निम्न कृत्यों को घोर अनुशासनहीनता माना जाएगा :
   - क. दिल्ली विश्वविद्यालय की किसी संस्था/विभाग के किसी भी शैक्षणिक या गैर शैक्षणिक कर्मचारियों और किसी भी छात्र के विरुद्ध शारीरिक हमला या शारीरिक बल का प्रयोग करने की धमकी देना।
   - ख. कोई हथियार रखना, उसका प्रयोग करना या उसका प्रयोग करने की धमकी देना।
   - ग. नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम 1976 के प्रावधानों का किसी भी प्रकार से उल्लंघन।
   - घ. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के स्तर, गरिमा और सम्मान को ठेस पहुँचाना।
   - ङ महिलाओं के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग या उन्हें अपमानित करने वाला कोई कृत्य।
   - च. रिश्वत देने का कोई भी प्रयास या किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार।
   - छ. संस्थागत संपत्ति को जानबूझकर नष्ट करना।
   - ज. धार्मिक या सांप्रदायिक आधार पर द्वेष या असहिष्णुता पैदा करना।
   - झ. विश्वविद्यालय प्रणाली के शैक्षणिक कार्यकरण में किसी भी प्रकार से बाधा उत्पन्न करना।
   - ञ. अध्यादेश–XV-C के अनुसार रैगिंग का निषेध।
4. कुलपति, अनुशासन बनाए रखने की अपनी शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना और अनुशासन बनाए रखने के उद्देश्य से ऐसी कार्रवाई कर सकते हैं/सकती हैं जो उन्हें उचित लगती है, वे अपनी उपरोक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश या निदेश दे सकते हैं/सकती हैं कि किसी भी विद्यार्थी या विद्यार्थियों को –
   - क. निष्कासित कर दिया जाए ;
   - ख. घोषित अवधि के लिए निष्कासित कर दिया जाए ; या
   - ग. घोषित अवधि के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी कॉलेज, विभाग या संस्था में किसी पाठ्यक्रम या पाठ्यक्रमों में प्रवेश न दिया जाए ; या
   - घ. निर्दिष्ट राशि का जुर्माना लगाया जाए ; या
   - ङ एक या अधिक वर्ष की अवधि के लिए विश्वविद्यालय या कॉलेज या विभागीय परीक्षा देने से वंचित किया जाए ; या
   - च. संबंधित विद्यार्थी के उस परीक्षा परिणाम/उन परीक्षा परिणामों को रद्द कर दिया जाए जो उसने दी हैं।
5. विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले महाविद्यालयों के प्राचार्यों, हॉल्स के प्रभारी, सभी अधिष्ठाता, विश्वविद्यालय में शैक्षणिक विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राचार्य, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग और पुस्तकालयाध्यक्षों को अपने–अपने महाविद्यालयों, संस्थाओं, संकायों और शैक्षणिक विभागों में ऐसी सभी अनुशासनात्मक शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार होगा जो संस्थाओं, हॉल्स और संबंधित विभाग में शिक्षण कार्य के सुचारु रूप से संचालन के लिए आवश्यक हैं। वे अपने इस अधिकार के प्रयोग के माध्यम से या अपने महाविद्यालयों, संस्थाओं या विभागों के ऐसे शिक्षकों को शक्ति प्रत्यायोजित कर सकते हैं जिन्हें वे इन प्रयोजनों के लिए निर्दिष्ट करते हैं।
6. कुलपति और प्रॉक्टर की उपरोक्त शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, अनुशासन और उचित आचरण के लिए विस्तृत नियम बनाए जाएँ।

इन नियमों का, जहाँ भी आवश्यक हो, महाविद्यालयों के प्राचार्यों, हॉल्स के प्रभारी, सभी अधिष्ठातओं, विश्वविद्यालय में शैक्षणिक विभागों के विभागाध्यक्षों द्वारा अनुपूरण किया जा सकता है। प्रत्येक विद्यार्थी से आशा की जाती है कि वह इन नियमों की प्रति प्राप्त करे।

प्रवेश के समय, प्रत्येक विद्यार्थी को घोषणा पर हस्ताक्षर करने होंगे कि प्रवेश दिए जाने पर वह स्वयं को कुलपति और विश्वविद्यालय के अनेक अधिकारियों, जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए अधिनियमों, संविधियों, अध्यादेशों और नियमों के अंतर्गत अनुशासनिक कार्रवाई करने का अधिकार सौंपा गया है, के अनुशासनात्मक अधिकार–क्षेत्र के समक्ष प्रस्तुत करता है।

Prohibition and Punishment for Ragging-Ordinance - XV-C

1. Ragging in any form is strictly prohibited, within the premises of the College/Department or Institution and any part of the Delhi University system as well as on public transport.
2. Any individual or collective act or practice of ragging constitutes gross indiscipline and shall be dealt with under this Ordinance.
3. Ragging for the purposes of this Ordinance, ordinarily means any act, conduct or practice by which dominant power or status of senior students is brought to bear on students freshly enrolled or students who are in any way considered junior or inferior by other students, and includes individual or collective acts or practices which–
   a. involve physical assault or threat to use of physical force.
   b. violate the status, dignity and honour of women students.
   c. violate the status, dignity and honour of students belonging to the scheduled castes and tribes.
   d. expose students to ridicule and contempt and affect their self esteem.
   e. entail verbal abuse and aggression, indecent gestures and obscene behaviour.
4. The Principal of a College, the Head of the Department or an Institution, the authorities of College, University Hostel or Halls of Residence shall take immediate action on any information of the occurrence of ragging.
5. Notwithstanding anything in Clause (4) above, the Proctor may also suomoto enquire into any incident of ragging and make a report to the Vice-Chancellor of the identity of those who have engaged in ragging and the nature of the incident.
6. The Proctor may also submit an initial report establishing the identity of the perpetrators of ragging and the nature of the ragging incident.
7. If the Principal of a College or Head of the Department or Institution or the Proctor is satisfied that for some reason, to be recorded in writing, it is not reasonably practical to hold such an enquiry, he/she may so advise the Vice-Chancellor accordingly.
8. When the Vice-Chancellor is satisfied that it is not expedient to hold such an enquiry, his/her decision shall be final.
9. On the receipt of a report under Clause (5) or (6) or a determination by the relevant authority under Clause (7) disclosing the occurrence of ragging incidents described in Clause 3 (a), (b) and (c), the Vice-Chancellor shall direct or order rustication of a student or students for a specific number of years.
10. The Vice-Chancellor may in other cases of ragging order or direct that any student or student be expelled or be not for a stated period, admitted to a course of study in a college, departmental examination for one or more years or that the results of the student or students concerned in the examination or examinations in which they appeared be cancelled.
11. For the purpose of this Ordinance, abetment to ragging whether by way of any act, practice or incitement of ragging will also amount to ragging.
12. Anti-Ragging Undertaking to be filled online at website: http://www.antiragging.in, www.amanmovement.org

The Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013 (MINISTRY OF LAW AND JUSTICE)

An Act to provide protection against sexual harassment of women at workplace and for the prevention and redressal of complaints of sexual harassment and for matters connected there with incidental thereto. As per the provisions of the Act, the College has constituted an Internal Complaints Committee.

रैगिंग का निषेध और रैगिंग करने पर सज़ा-अध्यादेश - XV-C

1. महाविद्यालय/विभाग और संस्था और दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के किसी भी भाग और साथ ही सार्वजनिक परिवहन में किसी भी रूप में रैगिंग निषेध है।
2. रैगिंग का कोई भी वैयक्तिक या सामूहिक कृत्य या रैगिंग करना, साधारणतः घोर अनुशासनहीनता है और उस पर इस अध्यादेश के अन्तर्गत कार्रवाई की जाए।
3. इस अध्यादेश के प्रयोजन हेतु रैगिंग का अर्थ है–साधारणतया ऐसा कृत्य, आचरण या व्यवहार जिसके द्वारा वरिष्ठ विद्यार्थियों द्वारा नवागंतुक विद्यार्थियों या उन विद्यार्थियों, जिन्हें अन्य विद्यार्थियों द्वारा कनिष्ठ या कमतर माना जाता है, पर अपनी शक्ति या स्तर का प्रयोग किया जाता है, और इसमें ऐसे वैयक्तिक या सामूहिक कृत्य या व्यवहार शामिल हैं जिसमें –

   क. शारीरिक हमला या शारीरिक बल का प्रयोग ;

   ख. छात्राओं के स्तर, गरिमा और सम्मान को ठेस पहुँचाना ;

   ग. अनुसूचित जाति और जनजातियों के विद्यार्थियों के स्तर, गरिमा और सम्मान को ठेस पहुँचाना ;

   घ. विद्यार्थियों का मज़ाक उड़ाना और उनका अपमान करना और उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुँचाना ;

   ङ गाली देना और आक्रामकता दिखाना, अभद्र इशारे करना और अश्लील व्यवहार – शामिल हैं।
4. किसी महाविद्यालय के प्राचार्य, विभागाध्यक्ष या कोई संस्था, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय छात्रावास और हॉल्स ऑफ रेज़िडेंस के प्राधिकारी, रैगिंग किए जाने की किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई करें।
5. उपर्युक्त खंड (4) में कुछ होते हुए भी, प्रॉक्टर द्वारा रैगिंग की किसी भी घटना पर स्वतः संज्ञान लेते हुए जाँच की जाए और रैगिंग में शामिल व्यक्तियों की पहचान और घटना की प्रकृति के विषय में कुलपति को सूचना दी जाए।
6. प्रॉक्टर द्वारा रैगिंग के दोषी व्यक्तियों की पहचान और घटना की प्रकृति के संबंध में प्रारंभिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की जाए।
7. यदि महाविद्यालय के प्राचार्य या विभागाध्यक्ष या संस्था या प्रॉक्टर इस बात से संतुष्ट हो जाते हैं कि किसी कारण (जिसे लेखबद्ध किया जाए) से यह व्यावहारिक नहीं होगा कि इस प्रकार की जाँच की जाए, तो उनके द्वारा कुलपति को तदनुसार यह परामर्श दिया जाए।
8. यदि कुलपति संतुष्ट हो जाती/जाते हैं कि ऐसी जाँच करना उचित नहीं है तो उनका निर्णय अंतिम होगा।
9. खंड (5) और (6) के अंतर्गत रिपोर्ट प्राप्त होने पर या संबंधित अधिकारी द्वारा खंड (7) द्वारा अवधारण करने पर खंड (3), (ए), (बी) और (सी) में उल्लिखित रैगिंग की घटना को बताते हुए, कुलपति निर्धारित वर्षों के लिए किसी छात्र या छात्रों को निष्कासित करने का निदेश या आदेश दे सकते/सकती हैं।
10. रैगिंग के अन्य मामलों में कुलपति यह आदेश या निदेश दे सकते हैं कि किसी विद्यार्थी या विद्यार्थियों को निष्कासित कर दिया जाए या घोषित अवधि के लिए, महाविद्यालय के पाठ्यक्रम में प्रवेश न दिया जाए, एक या अधिक वर्ष के लिए विभागीय परीक्षा में बैठने न दिया जाए या ऐसे विद्यार्थी/विद्यार्थियों के उस परीक्षा/उन परीक्षाओं के परिणाम रद्द कर दिए जाएँ, जो उन्होंने दी हैं।
11. इस अध्यादेश के प्रयोजन हेतु, किसी कृत्य, व्यवहार द्वारा रैगिंग करने के लिए उकसाना भी रैगिंग ही माना जाएगा।
12. वेबसाइटीजजचध्ध्ण्ंदजपतंहहपदहण्पदए्ण्ंउंदउवअमउमदजण्वतह पर रैगिंग विरोधी ऑनलाइन वचन–पत्र भरा जाए।

महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम **2013** (विधि और न्याय मंत्रालय)

महिलाओं के कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न से संरक्षण और लैंगिक उत्पीड़न के परिवादों के निवारण तथा प्रतिपोषण और उससे संबंधित या उसके आनुषंगिक विषयों का उपबंध करने के लिए अधिनियम।

इस नियम के प्रावधानों के अंतर्गत महाविद्यालय में आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया गया है।

Undertaking

UNDERTAKING BY THE STUDENT AND PARENT / GUARDIAN 2019-20

I,_____ (Name) have taken admission in Bachelor of Journalism for the session, 2019-2020.

The information and all Original Certificates that have been presented at the time of admission are genuine, and if found otherwise, will result in my admission being cancelled without further reference to me.

I understand that the Delhi School of Journalism follows a strict attendance policy and requires a minimum of two third attendance in lectures, practicals, tutorials and presentation in all subjects taken together in that semester.

We have read Ordinances XV (B), XV (C) as contained in the Prospectus/Website.

We have read the Prospectus/Website carefully and agree to abide by the rules and regulations stated therein.

All affidavits / documents required by the Delhi School of Journalism will be submitted on 20th July, 2018 when the classes begin failing which my admission will automatically stand cancelled, without any further reference to me in this regard.

DECLARATION

1. I have read and understood University Rules and Regulations and I understand that my admission will stand cancelled in case of any violation of University Regulations.
2. I undertake that I will follow the academic calendar of Delhi School of Journalism as informed to me when I plan my home/other visits.

Signature of the Parent / Guardian

Name of the Parent / Guardian
Relationship with the student

Date: _____

Signature of the Student

_____

Name of the Student

Date: _____

छात्र और माता/पिता/अभिभावक द्वारा वचन-पत्र 2019-20

..... (नाम) ने शैक्षणिक सत्र 2019–20 के लिए दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म में प्रवेश ले लिया है।

प्रवेश के समय प्रस्तुत की गई सूचना और सभी मूल प्रमाण–पत्र प्रामाणिक हैं, यदि वे अन्यथा पाए जाते हैं, तो मुझे सूचित किए बिना मेरा प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा।

हमें सूचित कर दिया गया है कि दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म उपस्थिति संबंधी नियमों का दृढ़ता से पालन करता है और प्रत्येक सेमेस्टर में सभी विषयों में व्याख्यानों, ट्यूटोरियलों और प्रस्तुति में दो तिहाई उपस्थिति होना आवश्यक है।

हमने विवरण–पुस्तिका/वेबसाइट में उल्लिखित अध्यादेश XV (B), XV (C) पढ़ लिए हैं।

हमने दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म की विवरण–पुस्तिका/वेबसाइट सावधानीपूर्वक पढ़ ली है और हम इनमें उल्लिखित नियमों और विनियमों का पालन करेंगे।

जैसा निर्देशित है कि महाविद्यालय द्वारा मांगे गए सभी शपथ–पत्र/दस्तावेज़ 20 जुलाई, 2019 को कक्षाओं के आरम्भ होने के समय प्रस्तुत कर दिए जाएंगे। ऐसा न होने पर, इस संबंध में मुझे सूचना दिए बिना मेरा प्रवेश स्वतः रद्द हो जाएगा।

घोषणा

1. मैंने दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म के नियमों और विनियमों को पढ़ा और समझ लिया है और मुझे ज्ञात है कि मेरे द्वारा विनियमों का उल्लंघन किए जाने पर मेरा प्रवेश रद्द हो जाएगा।
2. मैं वचन देता/देती हूँ कि अपने घर/अन्य भ्रमणों का कार्यक्रम तैयार करते समय मैं दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म द्वारा प्रदत्त एवं सूचित शैक्षणिक कैलेंडर का पालन करूँगी/करूँगा।

माता/पिता/अभिभावक के हस्ताक्षर

माता/पिता/अभिभावक का नाम
छात्र/छात्रा के साथ संबंध
तिथि : ————————

छात्र/छात्रा के हस्ताक्षर

नाम

तिथि : ————————

Fee Structure 2019-20

	Item	First Semester	Second Semester
1	University Enrolment Fee	200.00	-
2	Tuition Fee (semestral)	25,000.00	25,000.00
3	Identity Card (annual)	100.00	-
4	Library Fee (annual)	500.00	-
5	Library Development Fee (annual)	1,000.00	-
6	Seminar/Workshop Fee (semestral)	1,000.00	1,000.00
7	Student Activities Fee (semestral)	500.00	500.00
8	Cultural Activities Fee (annual)	500.00	-
9	Computer Lab/ICT Centre (semestral)	500.00	500.00
10	Studio Fee (annual)	2,000.00	-
11	Annual Magazine (annual)	100.00	-
12	Medical Fee (annual)	120.00	-
13	Amenities – Water, Electricity, Maintenance etc. (annual)	1,000.00	-
14	Development Fee (annual)	3,000.00	-
15	Edit Bay Charges (annual)	2,000.00	-
16	Field Visit (annual)	1,000.00	-
17	Publications and Subscriptions (semestral)	1,000.00	1,000.00
	Total Semester Fee	**39520.00**	**28,000.00**
	Caution Deposit*	**10000.00**	

*** Caution Deposit needs to be paid in the beginning of the first semester and will be reimbursed after the completion of the course.**

NB:

1. Foreign students need to pay annually INR 13200 (approximately $200) in addition to the Course Fee as detailed above.
2. Up to 30 students (25%) may be given fee concession, based on merit-cum-means from amongst eligible applicant. Application for fee concession will be processed semester-wise.
3. Students will be eligible to apply for fee concession, only after completing the admission process with the payment of the prescribed fee .
4. Fee for PwD students will be in accordance with the rules of the University of Delhi.

Note: Students are advised to regularly read the notices published on the notice board and the DSJ website.

Disclaimer: Fee structure can be reviewed at any time by the competent authority.

*पहले सेमेस्टर के शुरुआत में सुरक्षित जमा राशि का भुगतान करना होगा और पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद उसकी प्रतिपूर्ति की जाएगी।

ध्यान दें:

1. विदेशी छात्रों को उपर्युक्त शुल्क एवं अन्य विश्विद्यालय शुल्क के अलावा रुपया 13,200/– (लगभग +200) देय होगा ।
2. 30 छात्रों को (25%) को उसकी आर्थिक स्थिति एवं योग्यता के आधार पर पाठ्यक्रम के शुल्क में छूट दी जायेगी। शुल्क में छूट के लिए आवेदन प्रत्येक सेमेस्टर में आमंत्रित किया जायेगा।
3. शुल्क छूट के लिए आवेदन वही कर पाएंगे जो निर्धारित शुल्क के भुगतान के साथ प्रवेश प्रक्रिया पूरी करेंगे ।
4. पीडब्ल्यूडी छात्रों के लिए शुल्क दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमानुसार होगा।

नोट : छात्र सुचना के लिए दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म के सूचनापट एवं वेब–साइट को नियमित रूप से देखें।

खण्डनः शुल्क संरचना की समीक्षा सक्षम अधिकारी द्वारा कभी भी की जा सकती है।

ACADEMIC CALENDER 2019-20

SEMESTER I/III/V/VII	
Classes Begin	20th July, 2019 (Friday)
Mid Semester Break	07th October, 2019 (Monday) to 13th October, 2019 (Sunday) Note: Dusshera on 8.10.2019 (Tuesday)
Classes begin after Mid-Semester Break	14th October, 2019 (Monday)
Dispersal of Classes, Preparation leave and Practical Examinations begin	16th November, 2019 (Saturday)
Theory Examinations begin	30th November, 2019 (Saturday)
Winter Break	17th December, 2019 (Tuesday) to 31st December, 2018 (Tuesday)
Semester II/IV/VI/VIII	
Classes Begin	1st January, 2020 (Wednesday)
Mid-Semester Break	09th March, 2020 (Monday) to 15th March, 2020 (Sunday) Note: Holi on 10.03.2020 (Tuesday)
Classes begin after Mid-Semester Break	16th March, 2020 (Monday)
Dispersal of Classes, Preparation leave and Practical Examinations begin	28th April, 2020 (Monday)
Theory Examinations Begin	11th May, 2020 (Monday)
Summer Vacations	26th May, 2020 (Tuesday) to 19th July, 2020 (Sunday)

DSJ Committees

Anti-Ragging Committee (Under Ordinance XV-C) (2019 - 20)

Dr. Manasvini M. Yogi (OSD, DSJ)
Dr. Rudresh Narayan Mishra (Faculty, DSJ)
Ms. Shipra Raj (Faculty, DSJ)
Mr. Vijay Tete (SO)

Website and Information Committee (2019-20)

Prof. J.P. Dubey
Dr. Rudresh N. Misra
Mr. Pankaj Lakra
Aparajitha Nair & Neeraj Jha

Admission Committee (2019-20)

Prof. J.P. Dubey
Dr. Manasvini M. Yogi
Dr. Rudresh Narayan Mishra
Ms. Shipra Raj & Mr. Aquib

ECA Committee (2019-20)

Gauri Joshi & Shashikant Prasad **(Dramatics)**
Mohit Kumar **(Quiz)**
Mohit & Rana Kumbh Chauhan **(Photography)**
Deepak & Ashish Shukla **(Debating)**
Aquilur Rehman & Atish Alok **(Writer Forum)**
Rohit & Raja Babu & Amrita **(Sports)**
Suryansh Raghav & Mohit Prakash **(Dance)**

SUMMER TRAINING AND INTERNSHIPS

Internships is an important component of Delhi School of Journalism curricula.

The students get an exposure to the real time working in the Media Industry. The students gain experience which will enable them to get into final placements on the completion of the course.

PTI	EFE-ONLINE SPANISH NEWS AGENCY	TRADE PROMOTION COUNCIL OF INDIA	NEWS LAUNDARY	DIALOGUE AND DEVELOPMENT COMMISSION (DELHI GOVT.)	DRISHTI
SAMACHAR NEWS	SHOOT GURU	HINDUSTAN TIMES	DAINIK JAGRAN	UNIVERSITY OF DELHI ADMISSION COMMITTEE	INDIA TODAY
MILLANIUM POST	DOORDARSHAN NEWS	CENTRESHIFT	VDK PUBLICATIONS PVT. LTD.	KASHISH NEWS (PATNA)	EDITOR JI
CNN	RAJIV GANDHI INSTITUTE OF P POLICY RESEARCH	TV 18	ELEVEN MANTRAS	UN INTERNSHIP PROJECT	AIG (DIGITAL MEDIA)

SPUTNIK
India
TELLING
THE UNTOLD
IN.SPUTNIKNEWS.COM

Poesia 2.0